STATEMENT BY MINISTER

Status of implementation of recommendations contained in the Seventy-eighth Report of Department-related Parliamentary Standing Committee on Commerce

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL POLICY AND PROMOTION, MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI ASHWANI KUMAR): Sir, I beg to lay a statement on the status of implementation of recommendations contained in the Seventy-eighth Report of the Departmental-related Parliamentary Standing Committee on Commerce.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Mercy petition of Afzal in the Parliament Building attack case

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं आज जिस महत्वपूर्ण विषय को उठाना चाह रहा हूं, इसे मैं बड़े दु:ख, चिंता और कुछ आशंकाओं के घेरे में उठा रहा हूं। आज 13 दिसम्बर का वह दुर्भाग्यपूर्ण दिवस है, जब कि इस संसद भवन पर आक्रमण करके, भारत की संप्रभुता पर आक्रमण किया गया था। यह संसद भवन, भारत की संप्रभुता का प्रतीक है और इस पर 13 दिसम्बर को आक्रमण हुआ था। मैं भी उस दिन यहां मौजूद था, मैं अपने कमरे में मौजूद था और 7 गोलियां मेरे कमरे के शीशे पर आकर टकराई थीं। यह तो हमारे सुरक्षाकर्मियों का पुरुषार्थ था, वीरता थी, पराक्रम था, त्वरित बुद्धि थी कि उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान देकर इस संसद भवन को बचाया और हमारे राष्ट्र के अनेक महत्वपूर्ण नेताओं की जानों की सुरक्षा की। उसमें हमारे 9 सुरक्षाकर्मियों का बलिदान हुआ। आज सवेरे ही हमने उन सबके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और सारे देश के साथ हम भी यह चाहेंगे कि जिन्होंने भी ऐसा दुष्कृत्य किया है, आतंकवाद के नाम पर जो आक्रमण हमारी संप्रभुता पर हुआ, उन सभी लोगों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाए। देश यह जरूर चाहेगा कि इन मामलों में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए और मृतकों के बलिदान का पूरा सम्मान किया जाए और ऐसे दोषियों और अपराधियों को पूरे तौर पर दंडित किया जाए।

उपसभापति जी, मुझे यह देखकर बहुत दु:ख हुआ कि इन शहीदों के परिवारों के मन में बहुत क्षोभ और चिंता है और उन्होंने यहां तक कहा है कि अगर इन अपराधियों को दंड नहीं दिया जाएगा और खास तौर पर सुप्रीम कोर्ट यानी उच्चतम न्यायालय के द्वारा जो दंड सुनाया गया है, उसका क्रियान्वयन नहीं होगा, तो शहीदों को जो पदक इत्यादि सम्मान में मिले हैं, उनके परिवार वाले उन्हें